हिन्दुस्तान बुधवार, 9 फरवरी 2011 नई दिल्ली

जामिया में शुरू होगा एमएससी-पीएचडी कोर्स

कार्यालय संवाददाता
नई दिल्ली

इस सत्र से जामिया हमदर्द में एमएससी-पीएचडी का संयुक्त कोर्स शुरू कर दिया जाएगा। इससे छात्र यूनानी, आयुर्वेद में एमएससी प्रोग्राम के साथ पीएचडी प्रोग्राम भी कर सकेंगे। जबकि गत वर्ष जामिया हमदर्द ने आधुनिक चिकित्सा में एमएससी /पीएचडी प्रोग्राम शुरू कर दिया था।

जामिया हमदर्द के कुलपति डा. जी.एन.काजी ने बताया कि यूनानी मेडिसन में एमएससी-पीएचडी इस जुलाई से शुरू हो जाएगा। इस कोर्स को शुरू करने का मकसद है कि इस क्षेत्र में शोध को बढ़ावा मिलें। यूनानी कोर्सों के भविष्य के लिहाज से ये बेहतर कदम साबित होगा। इस कोर्स में दाखिला प्रवेश परीक्षा के द्वारा होगा। इसमें यूनानी, बीयूएमएस, बीएएमएस, आयुर्वेद केस्नातक छात्र बैठ सकते हैं। प्रो. काजी ने बताया कि विवि रेनबैक्सी के साथ करार कर चुका है। प्रो. काजी ने बताया कि जुलाई से विवि में एमबीबीएस की पढ़ाई भी शुरू हो जाएगी। इस बावत जामिया को दिल्ली मेडिकल काउंसिल से मंजूरी मिल गई है। जुलाई 2011 से शुरू होने जा रहे इस कोर्स में सीटों की संख्या 100 होगी। इसमें से 50 प्रतिशत सीट ओपन मेरिट के आधार पर और 50 प्रतिशत सीट अल्पसंख्यकों के लिए होगी।

SAMAD RAFIQ KHAN
PUBLIC RELATIONS OFFICER

दैनिक जागरण नई दिल्ली, 9 फरवरी 2011

जामिया हमदर्द में भी होगी डॉक्टरी की पढ़ाई

बनेंगे डॉक्टर

- 100 सीटों में 50 फीसदी अल्पसंख्यक अभ्यार्थियों के लिए रहेंगी आरक्षित
- 350 बिस्तर वाले संस्थान का काम पूरा, एमसीआई की टीम अगले सप्ताह करेगी दौरा

नई दिल्ली, जागरण संवाददाता : जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. जीएन काजी ने बताया कि एमबीबीएस पाठ्यक्रम को दिल्ली सरकार ने मंजूरी दे दी है। कोर्स में 100 सीटें निर्धारित की गई हैं।

जिसमें से 50 फीसदी सीटें अल्पसंख्यक अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित रहेंगी। विवि में मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) की टीम अगले सप्ताह दौरे पर आ रही है। जिसके बाद नए सत्र के आरंभ में एमबीबीएस पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा।

कुलपति डॉ.काजी ने कहा कि एमबीबीएस की पढ़ाई के साथ ही छात्रों को आयुर्वेद व यूनानी चिकित्सा पद्धति का भी ज्ञान दिया जाएगा। जिसका मकसद आधुनिक और प्राचीन चिकित्सा पद्धति के बीच तालमेल बिठाना है।

उन्होंने बताया कि हमदर्द नेशनल फाउंडेशन ने विवि को करीब 200 करोड़ रुपये का फंड मुहैया कराया था। जिससे 350 बिस्तर वाला इंस्टीट्यूट बनकर तैयार हो सका। एमबीबीएस कोर्स शुरू करने के लिए यह अनिवार्य शर्त है। जिसे विवि ने पूरा कर लिया है।

साथ ही कोर्स की को ध्यान में रखते हुए करीब 90 प्राध्यापकों की भी नियुक्ति की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि नेशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिशन काउंसिल (नेक) की ओर से भी विवि को ए-ग्रेड का प्रमाण पत्र प्राप्त हो चुका है।